न्यूज डायरी

यूएई में भारतीय हिंदुओं के लिए साल 2022 होगा बेहद शुभ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। संयुक्त अरब अमीरात में भारतीयों की बड़ी आबादी रहती है। इसमें बड़ी संख्या हिंदुओं की भी है जो काम या पढ़ाई के सिलसिले में दुबई जैसे शहरों में रहते हैं। हिंदुओं के लिए अगले साल तक दुबई में एक भव्य मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा जिसका निर्माण कार्य करीब 50 फीसदी तक पूरा हो गया है। यह मंदिर दुबई के श्रमइमस ।सप क्षेत्र में बन रहा है और इसका शिलान्यास 29 अगस्त 2020 को हुआ था। अब इस मंदिर का ढांचा आकार लेने लगा है। अब तक के निर्माण के बारे में अपडेट देने के लिए मंदिर प्रबंधन ने एक टाइम–लैप्स वीडियो जारी किया है। दुबई की Community Development Authority के अनुसार जेबेल अली में गुरु नानक दरबार गुरुद्वारा के पड़ोस में स्थित यह मंदिर ठनत क्नइंप में सिंधी गुरु दरबार का विस्तार है।

रोलिंग चेयर को देखकर पगलाए तालिबानी, खिलौने की तरह कर रहे इस्तेमाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान पर अब तालिबान का कब्जा है। एक ऐसा देश जिसके पास खनिज जैसे प्राकृतिक खजानों का भंडार है उसकी कमान अब आतंकवादियों के हाथ में है। तालिबानी लड़ाकों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है जिसमें वे रोलिंग चेयर से खेलते हुए नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में लड़ाके कुर्सी पर बैठकर एक–दूसरे से लड़ रहे हैं और खेल रहे हैं। वहीं दूसरे वीडियो में एक आतंकी कुर्सी पर बैठा और एक साइकिल चलाता हुआ नजर आ रहा है। ग्रामीण इलाकों में रहने वाले तालिबानियों के लिए ये सभी चीजें बिल्कुल नई हैं। उन्हें यह भी नहीं पता कि इनका सही इस्तेमाल कैसे किया जाता है। पहले भी कई वीडियो में देखा गया था कि लड़ाके गवर्नर हाउस और महलों में घुसकर मौज–मस्ती कर रहे हैं और नाच–कूद रहे हैं। आतंकियों को बच्चों के पार्क में झूला झूलते हुए भी देखा गया था। बाद में उन्होंने काबुल के एक पार्क में आग भी लगा दी थी।

अगर तालिबान को अमेरिका ने नहीं दी मान्यता तो और बिगड़ेंगे हालात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री एक बार फिर से तालिबान के समर्थन में खुलकर बोले हैं। स्थानीय मीडिया ने बताया कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि अगर अमेरिका, तालिबान के साथ बातचीत नहीं करता है और उसे मान्यता नहीं देता तो इससे अफगानिस्तान में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पाकिस्तान के दुनिया न्यूज ने शनिवार को बताया कि इमरान खान ने शुक्रवार को एक रूसी मीडिया आउटलेट के साथ एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि अफगानिस्तान वर्तमान समय में पूरे क्षेत्र के लिए सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है क्योंकि अफगानिस्तान एक ऐतिहासिक मुहाने पर खड़ा है। अमेरिका के खिलाफ तालिबान को पाकिस्तान की सहायता के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान ने तालिबान को अमेरिका के खिलाफ जीतने में मदद की तो इसका मतलब है कि पाकिस्तान, अमेरिका और पूरे यूरोपीय लोगों से ज्यादा मजबूत है।

एंटनी ब्लिंकन ने ब्रिटेन की विदेश सचिव से की बातचीत, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने शुक्रवार को ब्रिटेन के नवनियुक्त विदेश सचिव एलिजाबेथ ट्रस के साथ बातचीत की। इस दौरान अफगानिस्तान, चीन और ईरान सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई। विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने बताया कि ब्लिंकन ने ट्रस को उनकी नियुक्ति पर बधाई दी और यूएस–यूके द्विपक्षीय संबंधों के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके अलावा प्रवक्ता ने बताया कि अमेरिकी विदेश मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर भी बात की। नेड प्राइस ने बताया कि इस दौरान दोनों नेताओं ने अफगानिस्तान, चीन जनवादी गणराज्य, ईरान और जलवायु संकट से निपटने के लिए बहुपक्षीय भागीदारी सहित विदेश नीति की साझा प्राथमिकताओं पर भी चर्चा की।

फ्रांस ने अमेरिका और आस्ट्रेलिया से वापस बुलाए अपने राजदूत

धोखा

ऑस्ट्रेलिया के परमाणु पनडुब्बी डील को लेकर अमेरिका पर भड़का है फ्रांस?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेरिस। अमेरिका के सबसे पुराने सहयोगी फ्रांस ने परमाणु पनडुब्बी सौदा रद करने पर अप्रत्याशित रूप से गुस्सा दिखाते हुए अमेरिका और आस्ट्रेलिया दोनों ही देशों से अपने राजदूतों को वापस बुला लिया है। 18 वीं सदी के दौरान फ्रांस और अमेरिका के बीच बने संबंधों में अब दरार आती दिखाई दे रही है।

इन देशों के बीच संबंध हिंद–प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका, ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया के एक नए त्रिपक्षीय गठबंधन की घोषणा के बाद बिगड़े हैं। गठबंधन के बाद आस्ट्रेलिया ने फ्रांस से 40 बिलियन डालर का पनडुब्बी का सौदा रद कर दिया है। अब वह पनडुब्बी अमेरिका से लेगा। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन यवेस ले ड्रियान ने लिखित बयान में कहा है कि अमेरिका और आस्ट्रेलिया की घोषणा बहुत ही गंभीर और असाधारण है। इसीलिए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के कहने पर

यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा है कि सौदे को रद करना सहयोगी और पार्टनरों के बीच अस्वीकार्य व्यवहार है। राजदूत फिलिप एटियेन ने ट्वीट किया है कि डील रद करने की घोषणा यूरोप के लिए हिंद–प्रशांत के महत्व के हमारे दृष्टिकोण को सीधे प्रभावित कर रही है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा है कि बाइडन प्रशासन राजदूत वापस बुलाने के फैसले को लेकर पेरिस से संपर्क में है। हम उनकी स्थिति को समझते हैं और आने वाले दिनों में इस समस्या को हल करने में लगे रहेंगे। इस पर अगले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र की साधारण सभा में भी वार्ता करेंगे। हालांकि यह पहली बार होगा कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों संयुक्त राष्ट्र की साधारण सभा को संबोधित नहीं करेंगे। उनके स्थान पर विदेश मंत्री यह दायित्व संभालेंगे।

फ्रांस को क्या नुकसान?

रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया के ये डील तोड़ने से फ्रांस को 65 अरब डॉलर का नुकसान होगा। ये डील डीजल चालित पनडुब्बियों के लिए की गई थी। फ्रांस दुनियाभर में हथियारों को एक अहम एक्सपोर्टर है और डील रद्द होने से उसके रक्षा क्षेत्र को बड़े आर्थिक झटके का खतरा है। यही नहीं, हिंद–प्रशांत क्षेत्र में भी रणनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है जहां वह अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में था।

अहस्ट्रेलिया के साथ व्यापार बढ़ाना चाहता थाः स्टॉकहोम इंटरनैशनल पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट के मुताबिक साल 2010 से 2020 के बीच ऑस्ट्रेलिया हथियारों का चौथा सबसे बड़ा आयातक था जबकि फ्रांस उसे हथियार पहुंचाने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश था। इस दौरान फ्रांस से ऑस्ट्रेलिया को 6: हथियार जाते थे। वह मुख्य रूप से ट्रांसपोर्ट, कॉम्बैट हेलिकॉप्टर और टॉर्पीडो मुहैया कराता था। जाहिर है दोनों एक–दूसरे पर निर्भर तो नहीं थे लेकिन फ्रांस को उम्मीद थी कि 12 अटैक–क्लास पारंपरिक पनडुब्बियों से यह स्थिति बेहतर होगी।

गुलाम कश्मीर में पाक और चीन ने उड़ाई नियमों की धज्जियां

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ग्लासगो। गिलगिट बाल्टिस्तान क्षेत्र में पाकिस्तान और चीन मिलकर खनिज संसाधनों का जमकर दोहन कर रहे हैं। चीन के सहयोग से यहां यूरेनियम का खनन और संवध नि धड़ल्ले से किया जा रहा है। इसमें अंतरराष्ट्रीय नियमों की भी पूरी तरह से धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। इस बात की स्थानीय लोगों ने भी पुष्टि की है। यूरेनियम का दोहन अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के लिए चिंता का विषय है। पाकिस्तान इन एजेंसियों की जानकारी में लाए बिना यह काम कर रहा है। गिलगिट–बाल्टिस्तान के सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान के एटोमिक एनर्जी मटेरियल सेंटर (एइएमसी) के विशेषज्ञों की टीम लगातार हैदर आबाद क्षेत्र, हुंजा नगर, स्कर्दू और गिजर क्षेत्र में बनी हुई है। ये विशेषज्ञ यूरेनियम के संवर्धन वाले स्थान खैबर पख्तूनख्वा राज्य में मलाकंद के दरगाई गांव का भी दौरा करते रहते हैं। पूर्व में इस बात की जानकारी मिल चुकी हैं कि पाकिस्तान ने चीन की खनन कंपनियों को प्राकृतिक संसाधनों के दोहन की खुली छूट दे रखी है। यहां दो हजार से ज्यादा सोना, यूरेनियम और मोलिब्डेनम (इस्पात को कठोरता देने वाली धातु) के पट्टे चीनी कंपनियों को दिए हैं।

आग की लपटों से बचाने के लिए ओढ़ाया गया खास कंबल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कैलिफोर्निया। अमेरिका के जंगलों में लगी आग ने अनगिनत पेड़ों को निगल लिया लेकिन अब कैलिफोर्निया में मौजूद दुनिया के सबसे बड़े पेड़ों के अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगा है। इन्हें आग से बचाने के लिए फायर–फाइटर दिन रात एक कर रहे हैं। इसी कड़ी में इन पेड़ों को ऐल्यूमिनियम के कंबल उढ़ाए जा रहे हैं। चिंता की बात यह है कि इस आग की जद में Giant Forest आने का खतरा बढ़ गया है जहां दुनिया के सबसे विशाल पेड़ पाए जाते हैं।

अफगानिस्तान के जलालाबाद में आईइडी ब्लास्ट, 20 लोगों के घायल होने की खबर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। अफगानिस्तान के जलालाबाद में बम धमाके की खबर आ रही है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक पीडी13 इलाके में एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) ब्लास्ट हुआ। जानकारी के अनुसार धमाके की चपेट में आने से 20 लोग घायल हो गए है। फिलहाल किसा के हताहत होने की खबर नहीं मिली है।

अफगानिस्तान के टोलो न्यूज ने नंगरहार प्रांत के स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि जलालाबाद के पीडी6 में सड़क किनारे लगाए गए आईइडी की चपेट में तालिबान के वाहन

आ गए। नंगरहार प्रांतीय अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि लगभग 20 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से अधिकांश नागरिक हैं।

वहीं, शुक्रवार को पेंटागन ने पिछले महीने अफगानिस्तान में कई नागरिकों की जान लेने वाले ड्रोन हमले के मामले में अपनी गलती मान ली है। उसने बताया कि एक समीक्षा से पता चला है कि हमले में केवल नागरिक मारे गए थे न कि इस्लामिक स्टेट के आतंकी, जैसा कि पहले माना गया था।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख मरीन जनरल फ्रैंक मैकेंजी ने पेंटागन के एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह हमला एक गलती थी। 29 अगस्त को हुए इस हमले को पेंटागन के अधिकारी कई दिन तक सही ठहराते रहे थे।

इस हमले में सात बच्चों सहित 10 नागरिकों के मारे जाने के बावजूद उनकी ओर से इसे सही ढंग से अंजाम देने का दावा किया जा रहा था।

तालिबान ने महिलाओं के मंत्रालय को किया बंद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान राज आने के बाद से महिलाओं के अधिकारों का हनन हो रहा है। तलिबान दुनिया से किए गए अपने वादों को लगातार तोड़ रहा है। इस क्रम को जारी रखते हुए तालिबान ने महिला मामलों के मंत्रालय को ही अब बंद कर दिया है। इससे पहले तालिबान महिल कर्मचारियों को काम पर नहीं लौटने का फरमान जारी कर चुका है।

अफगानिस्तान के तालिबानी शासकों ने महिला मंत्रालय को हटाकर इसकी जगह मिनिस्ट्री आफ प्रमोशन वर्च्यू एंड प्रिवेंशन आफ वाइस मंत्रालय को सक्रिय कर दिया है, इसके जरिए तालिबान महिलाओं पर तमाम तरह की पाबंदियां लगाएगा। समूह ने 1990 के दशक में भी इसी मंत्रालय के जरिए महिलाओं पर गहरे प्रतिबंध लगाए थे।

इससे पहले तालिबान सरकार के गठन के बाद अब हाल ही में नियुक्त हुए कार्यवाहक चीफ आफ स्टाफ कारी फसीहुद्दीन ने घोषणा की है कि इस्लामिक अमीरात आफ अफगानिस्तान में सेना का गठन किया जाएगा। इसमें पूर्व सैनिकों को भी शामिल किया जाएगा। सेना गठन की शीघ्र ही जानकारी दी जाएगी।